

चिंतित वि. (तत्.) 1. फिक्रमंद 2. चिंतायुक्त।

चिंतिति स्त्री. (तत्.) दे. चिंता।

चिंतिया पुं. (देश.) दे. चिंता।

चिंत्य वि. (तत्.) 1. विचार योग्य, विचारणीय 2. संदिग्ध।

चिंदी स्त्री. (देश.) 1. कागज या कपड़े का टुकड़ा 2. टुकड़ा।

चिंपांजी पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का वनमानुष, जंगलों में पाए जाने वाला एक मानव-सा प्राणी 2. अफ्रीका का एक वनमानुष जो आकृति में मनुष्य की आकृति से मिलता-जुलता होता हुआ चिपटे सिर, दबे हुए माथे, बहुत चौड़ा मुँह, उभरे और बड़े कानों, चिपटी नाक तथा शरीर पर काले और मोटे बालों वाला होता है। ये झुंड में रहते हैं और इनका कद मनुष्य के बराबर होता है।

चिउँटा पुं. (देश.) मीठी वस्तुओं के पास शीघ्र आने वाला एक कीड़ा, चीँटा (यह जिस वस्तु से चिपट जाता है उसे आसानी से नहीं छोड़ता) मुहा. गुड़-चीँटा (चिउँटा) होना-एक दूसरे से गुथ जाना; चीँटे (चिउँटे) के पार निकलना- ऐसा काम करना जिससे मौत हो जाए टि. चीँटे (चिउँटे) के जब पर निकलते हैं तो वे उड़ने लगते हैं और फिर जल्दी ही मर जाते हैं।

चिउँटी स्त्री. (देश.) मीठे के पास बहुत जल्दी जाने वाला छोटा-सा कीड़ा जो अपने नुकीले मुँह से काटता और चिपट जाता है 1. चीँटी 2. पिपीलिका बिशे. चीँटियाँ (चिउँटियो) के मुँह के दोनों किनारों पर दो नोंके निकली होती हैं जिनसे वह काटती और चिपटती है, उसकी जीभ एक नली के मानिंद होती है जिससे वह रसीली चीजें चूसती रहती है, ये झुंड में रहती हैं तथा उनके झुंड में व्यवस्था और नियम का अनोखा पालन होता है, इनका श्रम बहुत प्रसिद्ध है मुहा. चीँटी की चाल चलना- धीरे-धीरे चलना।

चिउड़ा पुं. (तद्.) चिड़वा, चूड़ा (एक प्रकार की चबाने की वस्तु (अन्न) जो हरे, भिगोए या उबाले हुए धान को कूटने से बनता है।

चिउली पुं. (देश.) हिमालय के आसपास भूटान तक पाए जाने वाले महुए की जाति का एक जंगली पेड़ बिशे. इस पेड़ में से एक प्रकार का तेल निकलता है जो मक्खन की तरह जम जाता है इस तेल के जमे हुए कतरों को चिउली का पानी कहते हैं, नेपाल में इसे घी में मिलाया जाता है 2. एक प्रकार का रंगीन रेशमी कपड़ा।

चिक स्त्री. (तुर्की) बाँस या सरकंडे की तीलियों का बना हुआ झंझरीदार पर्दा, चिलमन 2. पशुओं को मारकर उनका मांस बेचने वाला, बूचर, कसाई 2. चिलक, चमक 3. एक बार अधिक बल पड़ने के कारण होने वाला कमर का दर्द, (चिक चली जाना) झटका, लचक।

चिकट पुं. (देश.) एक प्रकार का रेशमी या टसर का कपड़ा 2. भाई द्वारा बहन को उसकी संतान के विवाह के समय दिए जाने वाले कपड़े, 'भात के कपड़े', भात।

चिकटना स. क्रि. (देश.) जमे हुए मेल के कारण शरीर का चिपचिपाना या चिपचिपा होना।

चिकटा वि. (देश.) दे. चिकट।

चिकन पुं. (फा.) एक प्रकार का सूती कपड़ा जिस पर सूई और डोरे से कढ़े हुए उभारदार फूल या बूटियाँ बनी होती हैं (अं.) मुर्गी के चूजे के मांस से बना भोज्य पदार्थ।

चिकना वि. (तद्.) 1 जो छूने में खुरदरा न हो, जो ऊबड़-खाबड़ न हो 2. साफ और समतल 3. सरकने में रुकावट न देने वाला उदा. संभल कर चलो मार्ग बहुत चिकना और रपटीला है, फिसल मत जाना मुहा. चिकना घड़ा- निर्लज्ज 4. साफ-सुधरा, सँवरा हुआ 5. स्नेही, अनुरागी मुहा. चिकना-चुपड़ा- बना ठना; चिकनी-चुपड़ी/चिकनी चुपड़ी बातें- बनावटी या कृत्रिम व्यवहार, चिकनी चुपड़ी बातें करने वाला, खुशामदी, चाटुकार, पुं. तेल-घी आदि चिकने पदार्थ।

चिकनाई स्त्री. (तद्.) चिकनापन, चिकनाहट, स्निग्धता, चिकना होने का भाव, घी तेल आदि का सहज चिकनापन, सरसता।